Publication: Dainik Bhaskar
Date: 25.02.2017
Page no: 09
Language: Hindi

बिटक्वाइन का कारोबार पकड़ रहा है जोर

▪ निवेशकों को मिला अब तक का सर्वाधिक रिटर्न

ब्यूरो | मुंबई

वैश्विक स्तर पर डिजिटल मनी के रूप में चल रहे बिटक्वाइन उद्योग ने अब जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। भारत में भी यह अब रफ्तार पकड़ रहा है और उद्योग के लोग एक साथ आकर अब इसे स्व नियामक के रूप में अनुशासित करना चाहते हैं। फरवरी 2016 में एक बिटक्वाइन की कीमत 450 डॉलर थी जो फरवरी 2017 में बढ़कर 1100 डॉलर हो गया है। इस समय एक बिटक्वाइन की कीमत 80 हजार रुपये से ऊपर है। इसे खरीदा और बेचा जा सकता है। बता दें कि बिटक्वाइन डिजिटल मनी के रूप में प्रसिद्ध है और अभी तक भारत में इसे सरकार की ओर से मान्यता नहीं मिली है और न ही कोई इसका नियामक है। लेकिन अब इसमें शामिल हो रहे ग्राहकों के बढ़ने से उद्योग ने एक नियामक खुद बनाया है, जहां पर किसी को इस उद्योग में आने के लिए बैंकों की तरह केवाईसी के पूरे नियम और मनी लांड्रिंग जैसे नियमों से गुजरना होगा। उद्योग ने प्रसिद्ध कानूनी फर्म निशिथ देसाई को इसके लिए नियुक्त किया है। जेबपे, यूनोक्वाइन, कोइंसिक्योर और सर्च ट्रेड ने एक साथ आकर डिजिटल असेट एंड ब्लाकचेन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (डीएबीएफआई) की स्थापना की है ताकि पारदर्शी तरीके से यह कारोबार चल सके। जेबपे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ अग्रवाल ने बताया कि डीएबीएफआई खुद नियामक के रूप में कार्य करेगा और साथ ही भारत में इसे बढ़ाने की कोशिश करेगा। हालांकि भारत में अभी यह बाजार पूरी तरह से खुला नहीं है और इसका कारण यह है कि इसकी अभी तक पहुंच काफी कम है। निशिथ देसाई ने कहा कि बिटक्वाइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी का काफी लाभ है और इसकी अच्छी प्राइस डिस्कवरी है जो लेन-देन पूरी तरह से डिजिटल है। वर्तमान में बैंकों से लेन-देन के शुल्क के रूप में लोगों को काफी पैसा खर्च करना होता है और इस उद्योग का दावा है कि बिटक्वाइन के इस्तेमाल से यह रकम बच सकती है। इस उद्योग का दावा है कि आने वाले साल में कुछ देश भौतिक नोटों की छपाई बंद कर देंगे और वे बिटक्वाइन को कानूनी मान्यता प्राप्त मुद्रा बना सकते हैं। क्योंकि नोटों की छपाई और उसके लॉजिस्टिक पर काफी खर्च होता है।